SYLLABUS

LECTURER (SCHOOL EDUCATION)
PAPER – II
ECONOMICS

भाग - I वरिष्ठ माध्यमिक स्तर

- अर्थशास्त्र का अर्थ और परिभाषा, अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएँ और चुनाव की समस्या, आर्थिक प्रणालीः विशेषताएँ और कार्य।
- माँग और आपूर्ति, माँग की लोच की विभिन्न अवधारणाएँ।
- उत्पादन फलन : परिवर्तनशील अनुपातों का नियम और पैमाने पर प्रतिफल, लागत अवधारणाएँ और लागत वक्र।
- राजस्व और उनके संबंध, बाजार के रूप और उनकी विशेषताएँ, पूर्ण प्रतिस्पर्धा और एकाधिकार के तहत कीमत और उत्पादन का निर्धारण।
- मैक्रोइकॉनोमिक चर : स्टॉक और प्रवाह चर, राष्ट्रीय आय- अवधारणाएँ, माप और उनके संबंध, जीएनपी और कल्याण।
- धन - अर्थ और कार्य; धन आपूर्ति और उच्च शक्ति वाला धन, वाणिज्यिक और केंद्रीय बैंक के कार्य, ऋण नियंत्रण विधियाँ।
- आर्थिक विकास के अर्थ और निर्धारक, भारतीय अर्थव्यवस्था की समस्याएँः भारत में गरीबी, बेरोजगारी और असमानता।
- भुगतान संतुलन - अर्थ और घटक।
- केंद्रीय प्रवृत्ति के उपाय - अंकगणित माध्य, माध्यिका और बहुलक।

भाग - II स्नातक स्तर

- उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धांत - मार्शलियन उपयोगिता विश्लेषण और हिक का उदासीनता वक्र विश्लेषण। हिक और स्लटस्की मूल्य प्रभाव। उपभोक्ता और उत्पादक का अधिशेष।
- अपूर्ण प्रतिस्पर्धा के तहत मूल्य और उत्पादन निर्धारण - अल्पाधिकार (सांठगांठ और गैर-सांठगांठ) और एकाधिकार प्रतियोगिता।
- उपभोग परिकल्पना। गुणक और त्वरक सिद्धांत, व्यापार चक्र, व्यापार चक्र का नियंत्रण।
- धन का मात्रा सिद्धांत, धन की मांग के सिद्धांत, मुद्रास्फीति- प्रकार और नियंत्रण, फिलिप्स वक्र।
- मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के उद्देश्य और उपकरण।
- मुक्त व्यापार और संरक्षण।
- व्यापार के सिद्धांत - तुलनात्मक लागत और अवसर लागत, व्यापार की शर्तें।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक और आईएमएफ।
- विकास के माप और संकेतकः पीक्यूएलआई, एचडीआई, एचपीआई और जीडीआई, भारत में गरीबी के विभिन्न माप।
- फैलाव के उपाय, सूचकांक संख्या, सहसंबंध- सरल, रैंक सहसंबंध।

- राजस्थान की अर्थव्यवस्था - राजस्थान की अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ- वन, जल, खनिज और पशुधन संसाधन; हाल की प्रमुख विकास परियोजनाएँ; अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग/अल्पसंख्यक/दिव्यांग व्यक्ति, निराश्रित, महिलाएँ, बच्चे, वृद्ध, किसान और मजदूर के लिए राज्य सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाएँ, राजस्थान में कृषि, औद्योगिक, सेवा क्षेत्र और पर्यटन विकास की मुख्य विशेषताएँ। राजस्थान सरकार के प्रमुख कार्यक्रम।

भाग - III स्नातकोत्तर स्तर

- कल्याण अर्थशास्त्र - पैरेटो इष्टतमता, बाजार विफलता और बाह्यताएँ, और नया कल्याण अर्थशास्त्र।
- आईएस-एलएम मॉडल - मौद्रिक और राजकोषीय नीति की सापेक्ष प्रभावशीलता, मुंडेल-फ्लेमिंग, स्वान मॉडल।
- विकास और विकास मॉडल - लुईस मॉडल, हैरोड-डोमर, सोलो और कलडोर मॉडल। प्रतिगमन विश्लेषण, संभाव्यता, नमूनाकरण तकनीक (केवल अवधारणाएँ), डेटा संग्रह के तरीके।
- आर्थिक सुधार - उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण।
- सार्वजनिक और निजी सामान, भारत में जीएसटी, बजट में घाटे की अवधारणा।
- विदेशी व्यापार : वर्तमान विदेशी व्यापार नीति।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत - हेक्सचर-ओहलिन प्रमेय, कारक मूल्य समतुल्यता प्रमेय। सतत विकास की अवधारणा। सतत विकास लक्ष्य, खाद्य सुरक्षा।

भाग - IV (शिक्षाशास्त्र, शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग)

I. शिक्षाशास्त्र और शिक्षण अधिगम सामग्री (किशोर शिक्षार्थियों के लिए निर्देशात्मक रणनीतियाँ)

- संचार कौशल और इसका उपयोग।
- शिक्षण मॉडल - उन्नत आयोजक, अवधारणा प्राप्ति, सूचना प्रसंस्करण, पूछताछ प्रशिक्षण।
- शिक्षण के दौरान शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी और उपयोग।
- सहकारी अधिगम।

II. शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

- आईसीटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की अवधारणा।
- सिस्टम दृष्टिकोण।
- कंप्यूटर सहायता प्राप्त अधिगम, कंप्यूटर सहायता प्राप्त अनुदेश